थाट परिचय

अर्थात-'मेल' (थाट) स्वरों के उस समूह को कहते हैं, जिससे राग उत्पन्न हो सकें। नाद से स्वर, स्वरों से सप्तक और सप्तक से थाट तैयार होते हैं।

एक सप्तक में शुद्ध-विकृत (कोमल तीव्र) मिलकर कुल बारह स्वर होते हैं और थाट को ही संस्कृत में 'मेल' कहते हैं।

थाट के विषय में कुछ महत्त्वपूर्ण बातें :

1. यद्यपि थाट बारह स्वरों से तैयार किए गए हैं, किन्तु थाट में सात स्वर ही लिए जाते हैं। ये सात स्वर उन्हीं बारह स्वरों में से चुन लिए जाते हैं।
2. वे सात स्वर 'सा, रे, ग, म, प, ध, नि इसी क्रम से और इन्हीं नामों से होने चाहिए। यह हो सकता है कि उपर्युक्त सात स्वरों में से कोई कोमल या कोई तीव्र ले लिया जाए, किन्तु सिलसिला यही रहेगा। राग में ये स्वर इस क्रम से हों या न हों, किन्तु थाट में इस क्रम का होना आवश्यक हैं। राग में सात स्वरों से कम भी हो सकता हैं, किन्तु थाट में सात स्वरों का होना जरूरी है। अर्थात् थाट को सम्पूर्ण होना आवश्यक है क्योंकि बहुत से ऐसे राग हैं, जिनमें सातों स्वर लगते हैं, इसलिए थाट में सातों स्वरों का होना आवश्यक हैं, अन्यथा उससे सम्पूर्ण जाति के राग तैयार करने में असुविधा होगी।
3. थाट में केवल आरोह ही होता है, इसमें अवरोह-आरोह दोनों का होना अनिवार्य नहीं हैं।
4. थाट में एक ही स्वर के दो रूप साथ-साथ आ सकते हैं।
5. थाट में रंजकता का होना आवश्यक नहीं है, अर्थात् यह आवश्यक नहीं कि थाट सुनने में कानों को अच्छा ही लगे। क्योंकि थाट में क्रमानुसार सात स्वर लेना अनिवार्य होता है। कभी-कभी एक स्वर के दो स्वरूप भी साथ-साथ आ सकते हैं। इसलिए प्रत्येक थाट में रंजकता का रहना सम्भव है ही नहीं।
6. थाट को पहचानने के लिए उसमें से उत्पन्न हुए किसी प्रमुख राग का नाम दे दिया जाता हैं; जैसे-भैरव एक प्रसिद्ध राग है। इसलिए भैरव राग के स्वरों के अनुसार जो थाट बना, उसका नाम भी 'भैरव थाट' रख दिया। इसी प्रकार अन्य थाटों के नाम रखे गए। प्रत्येक थाट में स्वर तो केवल सात ही होते हैं, किन्तु उनके स्वरों में कोमल, तीव्र का अन्तर पड़ सकता है। इस अन्तर से ही तरह-तरह के थाट बना लिए हैं यमन, बिलावल, और खमाधी, भैरव, पूरवि, मारव, काफी। आसा, भैरवि, तोड़ि, बरखाने; दश/नठ 'चतुर' गुनि माने। चतुर पँडित की इस कविता से दस थाटों के नाम आसानी से याद हो जाते हैं। नीचे दस थाटों में लगने वाले कोमल व तीव्र स्वर दिखाए गए हैं :

दस थाटों के सांकेतिक चिह्न :

यमन या कल्याण थाट : सा रे ग मे प ध नि सां

बिलावत थाट : सा रे ग म प ध नि सां

समाज थाट : सा रे ग म प ध नि सां

भैरव थाट : सा रे ग म प ध नि सां

पूर्वी थाट : सा रे ग म प ध नि सां

मोरवा थाट : सा रे ग म प ध नि सां

काफी थाट : सा रे ग म प ध नि सां

आसावरी थाट : सा रे ग म प ध नि सां

भैरवी थाट : सा रे ग म प ध नि सां

तोड़ी थाट : सा रे ग म प ध नि सां

प्रश्न 1 : थाट किसे कहते हैं ?

प्रश्न 2 : थाट के लिए महत्त्वपूर्ण शर्तें क्या हैं ?

प्रश्न 3 : थाट के कितने प्रकार हैं वर्णन करें।

प्रश्न 4 : थाट के आवश्यक स्वर समूह का वर्णन करें।

प्रश्न 5 : दस थाटों का पूर्ण परिचय दें।